Ap – यूसुफ ने यीशु को अपने पुत्र के रूप में स्वीकार किया मत्ती १:
१८-२५ | 1

– Save This Page as a PDF–

यूसुफ ने यीशु को अपने पुत्र के रूप में स्वीकार किया मत्ती १: १८-२५

खोदना: मैरी संभवतः जोसेफ को अपनी गर्भावस्था के बारे में कैसे बता सकती है? अगर आप योसेफ की जगह होते तो आपको कैसा लगता? आप अपने परिवार और दोस्तों से क्या कहेंगे? भगवान को? उसके विकल्प क्या थे? मत्ती ने यीशु के जन्म के कारण क्या कारण बताए? भविष्यवाणी को पूरा करने के अलावा, यीशु का कुँवारी जन्म क्यों ज़रूरी था?

प्रतिबिंबित करें: आपने हाल ही में अपने जीवन में येशु हा-मेशियाच को इम्मानुएल के रूप में कैसे अनुभव किया है? आप यूसुफ से विश्वास के बारे में क्या सीखते हैं? ADONAI के बड़े उद्देश्यों को पूरा करने के बारे में आप जोसफ से क्या सबक सीख सकते हैं? यहोवा कब आपको सबसे वास्तविक, सबसे मूर्त, सबसे अधिक निकट लगा है?

यह सत्यापित करने के बाद कि यीशु की वंशावली उसके मसीहा होने के मानदंडों को पूरा करती है, मैथ्यू अब लगभग २००० साल पहले इज़राइल में उसके जन्म की वास्तविक घटनाओं की ओर मुड़ता है। मैरी की कहानी में गुंथी हुई एक और कहानी है जो बताए जाने की प्रतीक्षा कर रही है। वास्तविक जीवन की तरह धार्मिक कलाकृति में, जोसेफ और जूड दो तरह के हैं (युहोदा Ae – युहोदामाशी का एक दासपर मेरी टिप्पणी देखें)। उनके प्रसिद्ध भाई जेम्स और उनके सौतेले भाई यीशु ने यहूदा को ग्रहण किया। जोसेफ मरियम के बगल में छाया में खड़ा है, जो अपने बच्चे के साथ क्रिसमस कार्ड पर हाइलाइट किया गया है। ऐसा लगता है कि वह हमेशा चरवाहों के साथ घुलमिल जाता है। जूड की तरह, वह जानता था कि कहानी के असली सितारे के लिए वार्म-अप बैंड बनना कैसा होता है। हालाँकि, हाशिये पर पड़ा हुआ भूला हुआ आदमी, मैरी की कहानी में बहुत बड़ा है।

वह एक अविश्वसनीय आदमी था। उन्होंने और मैरी ने विवाह समारोह केपहले चरण में प्रवेश किया था (देखें Al – माशी का जन्म मरियम को कहागया)। उन्होंने सार्वजनिक प्रतिज्ञाओं का आदान-प्रदान किया था, हुप्पह या चंदवा के नीचे शराब का पहला कप लिया था, और एक साल की सगाई की अवधि में प्रवेश किया था। समुदाय की नजर में वे “विवाहित” थे – लेकिन बिना किसी यौन संपर्क के। मैरी के गर्भवती होने की चौंकाने वाली खबर जानने पर उनकी प्रतिक्रिया ने साबित कर दिया कि वह कितनी असाधारण थीं। तथ्यों के आधार पर, मिरयम ने उसे धोखा दिया था और अपनी प्रतिज्ञाओं को तोड़ा था। इन परिस्थितियों में, यूसुफ के पास क्रोधित होने का, या प्रतिशोधी बनने का, यहाँ तक कि कड़वा होने का वैध अधिकार था। उसे न्याय दिलाने का कानूनी अधिकार था। लेकिन, जैसा कि हम देखेंगे, योसेफ उस तरह का आदमी नहीं था। ADONAI ने उनके दिल में एक काम किया था। वह एक धर्मी व्यक्ति था, जो परमेश्वर की दृष्टि में सही कार्य

Ap – यूसुफ ने यीशु को अपने पुत्र के रूप में स्वीकार किया मत्ती १:
१८-२५ | 2

करने का इरादा रखता था, चाहे उसकी कीमत कुछ भी हो।

मत्ती कहानी को जोसेफ के नजरिए से बताता है। इस प्रकार यीशु मसीह का जन्म हुआ: उसकी माता मरियम को यूसुफ से विवाह करने का वचन दिया गया था, परन्तु उनके एक साथ आने से पहले, वह पवित्र आत्मा के द्वारा गर्भवती पाई गई (मत्ती १:१८)। कुंवारी जन्म पर जोर दिया जाता है क्योंकि मत्तियाहू जेकोनियाह की समस्या को हल करने की कोशिश कर रहा है (देखें Ai – यूसुफ और मैरी की वंशावली)। तीन अलग-अलग अवसरों पर कुंवारी जन्म पर जोर दिया जाता है। मत्ती १:१८ में प्रेरित मानव लेखक लिखता है: उनके एक साथ आने से पहले; मत्तियाहू १:२२-२३ में उन्होंने यशायाह ७:१४ को यह कहते हुए उद्धृत किया: कुँवारी बच्चे के साथ होगी, और तीसरा, मत्ती १:२५ में वह कहता है कि जब तक उसने एक पुत्र को जन्म नहीं दिया तब तक कोई मिलन नहीं था।

सो जब मरियम नासरत में घर लौटी, तो उसने अपने भावी पति को देखा। सबसे अधिक संभावना है कि वह खुश नहीं था कि उसने तीन महीने के लिए उससे दूर रहना चुना था और अगर वह रहस्य जानता था, तो उसने इसे अच्छी तरह छुपाया। उसने मरियम की माँ से सुना था कि एलिजाबेथ गर्भवती थी, लेकिन निश्चित रूप से उसके शहर में अन्य महिलाएं भी थीं जो उसकी देखभाल कर सकती थीं। इस बारे में युवती ने यूसुफ से कोई बहस नहीं की। उसने शायद उसके रवैये से फैसला किया कि वह महान रहस्य के बारे में कुछ नहीं जानता था। लेकिन बिना किसी संदेह के, उसने खुद से वादा किया कि अगर वह उसे अपनी गर्भावस्था के बारे में बताए बिना, योसेफ से शादी नहीं करेगी। तो उसने बस इसे करने का फैसला किया। अगर उसे उसकी व्याख्या पर विश्वास नहीं होता, तो वह वैसे भी एक उपयुक्त सौतेला पिता नहीं होता। इसका पता लगाने का इससे बेहतर तरीका और कोई नहीं हो सकता। तो उसने उसे बताया।

“मैं एक बच्चा होने जा रही हूँ,” उसने कहा। इसने जोसेफ को अंदर तक हिला दिया होगा। वह कितनी वफादार और मासूम लग रही थी। क्या कोई कुंवारी लड़की बिना सेक्स किए गर्भ धारण कर रही है? अविश्वसनीय! वह क्या चूक गया था? वह तीन महीने के लिए चली गई थी और गर्भवती हो गई थी!

इन दोनों युवा प्रेमियों के दिलों में दुख की गहराई की कल्पना करना असंभव होगा। उसने उसे कोमलता से देखा, लेकिन उसने कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया। पूरी संभावना है कि उसने उससे दूर देखा और कामना की कि वह उसे सब कुछ बता सके। बच्चे को एक सौतेले पिता की आवश्यकता होने वाली थी – उस आदमी से बेहतर कौन है जिसे वह प्यार करती थी, कोमल, समर्पित और धैर्यवान जोसेफ? कौन जानता है, शायद इन्हीं कारणों से उन्हें इस भूमिका के लिए चुना गया हो। वैसे भी, वह उसके पुत्र, राजा के लिए पूर्ण संरक्षक होगा। उसे खाने का सवाल यह था, “क्यों? उसे क्यों नहीं बताया गया?” लेकिन उसका ‘प्रश्न करने के लिए नहीं था, उसे भरोसा करना और पालन करना था। वह अपने संदेह पर नहीं बैठेगी।

यूसुफ को सोचने के लिए दूर जाना पड़ा। वह खुद के पास था और भ्रमित था। यह कैसे हो सकता है? वह इतना निश्चित था! वह उसे अपने पूरे दिल से प्यार करता था और उसके साथ एक लंबे और फलदायी जीवन के दर्शन थे। लेकिन अब वह अपने आप को ठगा हुआ महसूस कर रहा था और वह इसे समझ नहीं पा

Ap – यूसुफ ने यीशु को अपने पुत्र के रूप में स्वीकार किया मत्ती १:
१८-२५ | 3

रहा था। चीजों का पता लगाने के दौरान उन्होंने अकथनीय समाचार को अपने पास रखा।

वह क्या कर सकता था? वह समुदाय के द्वार पर बड़ों को संबोधित करके उसे सार्वजनिक रूप से तलाक दे सकता था। अगर उसने ऐसा किया, तो वे मरियम से पूछेंगे कि क्या वह गर्भवती है। अगर उसने हाँ कहा, तो योसेफ को शपथ लेनी होगी कि वह पिता नहीं था। मौखिक कानून (देखें Ei – मौखिक कानून) गुरुत्वाकर्षण के अवरोही क्रम में चार प्रकार की मौत की सजा को निर्दिष्ट करता है: पत्थर मारना, जलाना, सिर काटना और गला घोंटना (संहेद्रिन ७:१)। एक आदमी जो एक मंगेतर लड़की के साथ संभोग करता है, उसी तरह के दंड के अधीन है, जो अपनी मां के साथ संभोग करता है, अर्थात् पत्थरबाजी (संहेद्रिन ७:४)। कोई व्यक्ति जो किसी अन्य पुरुष की पत्नी के साथ यौन संबंध रखता है, उसे गला घोंटकर मौत के घाट उतार दिया जाता है (सेंहेड्रिन ११:१)। बेशक, रोम के प्रभुत्व वाले इस काल में यहूदी अदालतें मौत की सजा नहीं दे सकती थीं, और इस समय तक मौत की सजा नहीं देती थीं। भले ही अनुमति दी गई हो। फिर भी, उसकी शादी से पहले की गर्भावस्था ने उसके दोबारा शादी करने के किसी भी मौके को बर्बाद कर दिया होगा। आर्थिक रूप से पुरुष-केंद्रित समाज में यह एक भयानक भाग्य था जहां एक महिला का सम्मान पुरुष के संबंध में उसकी स्थिति पर निर्भर करता था। ९० हालांकि, एक और विकल्प था। वह उसे केवल तलाक का प्रमाण पत्र लिख सकता था और उसे चुपचाप अपने घर से दूर भेज सकता था (व्यवस्थाविवरण २४:१)।९१ यह एक निजी व्यवस्था होगी, सार्वजनिक घोटाला नहीं। वह वास्तव में दोनों विकल्पों से नफरत करता था।

अधिकांश आधुनिक पश्चिमी संस्कृति के विपरीत, योसेफ एक ऐसे समाज में रहता था जहाँ उसके पास मैरी को दूसरा मौका देने का कोई विकल्प नहीं था। . . भले ही वह चाहता था। मौखिक कानून ने मांग की कि एक पुरुष अपनी पत्नी को यह पता चलने पर तुरंत चार्ज करे कि वह कुंवारी नहीं है। एक ऐसी दुनिया में जो व्यभिचार को अंतिम चोरी मानती थी – दूसरे आदमी की सबसे कीमती संपत्ति की चोरी, उसकी पत्नी का अविभाजित स्नेह, व्यभिचार के प्रति भावनात्मक प्रतिक्रिया अक्सर काफी गंभीर होती थी। क्योंकि एक पत्नी का व्यभिचार पति की अपर्याप्तता या उसके परिवार द्वारा एक साथी की खराब पसंद का संकेत दे सकता है, इसने पति को भी शर्मिंदा किया। इस प्रकार, मरियम के प्रत्यक्ष विश्वासघात ने उसे भी शर्मसार कर दिया था।

वह उछला और पूरी रात बिस्तर पर पड़ा रहा। वह इसके बारे में सोचना बंद नहीं कर सका। वह क्या करेगा? थके हुए, उसने आखिरकार अपना मन बना लिया। क्योंकि यूसुफ, यहूदी विवाह समारोह के पहले चरण की शर्तों के तहत उसका “पति”, एक धर्मी व्यक्ति था और वह उसे सार्वजनिक अपमान के लिए बेनकाब नहीं करना चाहता था, उसने उसे चुपचाप तलाक देने का फैसला किया (मत्ती १:१९)। यह उसका दिल तोड़ देगा, लेकिन यह न्यायपूर्ण और साथ ही, दयालु भी होगा।

फैसला आने के कुछ ही पलों में उन्हें राहत मिली। इतनी राहत मिली कि वह सो गया। लेकिन उसके इस निष्कर्ष पर पहुंचने के बाद, एक सपने में एडोनाई का एक दूत उसे दिखाई दिया, जिसे भगवान के पक्ष का संकेत माना जाता था (मत्ती १:२०ए)।रब्बियों ने सिखाया कि एक अच्छा सपना तीन चीजों में से एक था (अन्य दो एक अच्छा राजा और एक फलदायी वर्ष होने के नाते) जो कि यहोवा

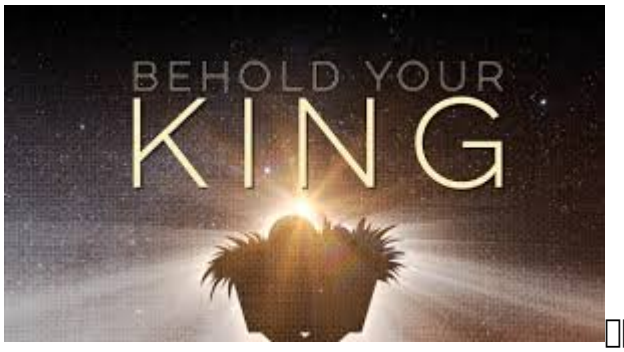

Ap – यूसुफ ने यीशु को अपने पुत्र के रूप में स्वीकार किया मत्ती १:
१८-२५ | 4

के पक्ष को चिह्नित करता है। यह विश्वास इतना लोकप्रिय था कि यह एक लोकप्रिय कहावत के रूप में विकसित हो गया: यदि कोई व्यक्ति अपने सपने को याद किए बिना सात दिन सोता है, तो उसे हा’शेम द्वारा दुष्ट और याद नहीं किया जाता है।

इस स्वर्गदूत ने कहा: दाऊद के पुत्र यूसुफ, अपनी पत्नी के रूप में मरियम को अपने घर ले जाने से मत डरो, क्योंकि जो उसके गर्भ में है वह पवित्र आत्मा की ओर से है (मत्ती १:२०ब)। यीशु का कोई मानवीय पिता नहीं था, परन्तु उसकी एक मानव माता थी। तभी मसीहा ईश्वर-मनुष्य हो सकता है। यह देहधारण की सबसे स्वाभाविक और आसान व्याख्या है (यह शब्द लैटिन शब्द से लिया गया है जिसका अर्थ है प्रवेश करना या देह बनना)। यीशु के मानव और दैवीय होने के अलावा, कोई सुसमाचार नहीं है। हमारी पूरी आस्था इसी पर टिकी है। सुसमाचार का सार और शक्ति यह है कि परमेश्वर मनुष्य बन गया और वह, पूर्ण परमेश्वर और पूर्ण मनुष्य होने के नाते, मानव जाति को परमेश्वर से मिलाने में सक्षम था। येशु का कुंवारी जन्म, क्रूस पर उसकी प्रतिस्थापन मृत्यु, उसका पुनरुत्थान, स्वर्गारोहण और शारीरिक वापसी सभी उसके देवता के परस्पर जुड़े पहलू हैं। वे एक साथ खड़े होते हैं या गिरते हैं।

कुंवारी जन्म से उन यहूदियों को आश्चर्य नहीं होना चाहिए जो तानाख को जानते और मानते थे। यिर्मयाह ३१:२२में वाक्यांश की गलत व्याख्या के परिणामस्वरूप एक महिला एक पुरुष को घेर लेगी, कई रब्बियों ने सिखाया कि मसीहा का असामान्य जन्म होगा। उन्होंने कहा कि उनका कोई सांसारिक पिता नहीं होगा। उन्होंने सिखाया कि मेशियाच का जन्म एडोनाई की ओस की तरह होगा, जैसे कि एक आदमी की कार्रवाई के बिना घास पर गिरता है। इसलिए कई रब्बियों ने भी येशुआ के लिए एक अनोखा जन्म ग्रहण किया।

वह एक पुत्र को जन्म देगी, स्वर्गदूत ने आगे कहा,
और तुम उसका नाम यीशु रखना, क्योंकि वह अपने लोगों को उनके पापों से बचाएगा (मत्तियाहू १:२१)। वह बचाएगा के लिए हिब्रू शब्द योशिया है, जिसका हिब्रू मूल (युड-शिन-अयिन) है, जिसका नाम येशुआ (युद-शिन-वाव-अयिन) है। इस प्रकार यीशु के नाम की व्याख्या इस आधार पर की गई है कि वह क्या करेगा। दरअसल, येशुआ नाम हिब्रू नाम योशुआ या जोशुआ का एक संकुचन है, जिसका अर्थ है YHVH बचाता है। यह इब्रानी शब्द येशु’आह का मर्दाना रूप भी है, जिसका अर्थ है मोक्ष।

जब यूसुफ जागा, तो उसने सोचा कि इसका क्या अर्थ है। सपने महत्वपूर्ण थे, हाँ, लेकिन क्या वह

Ap – यूसुफ ने यीशु को अपने पुत्र के रूप में स्वीकार किया मत्ती १:
१८-२५ | 5

केवल अपने आप को मूर्ख बना रहा था? लेकिन फिर उसे याद आया कि उसके सपने ने पत्र की एक पुरानी भविष्यवाणी को पूरा किया। यशायाह ने कहा था: यह सब उस बात को पूरा करने के लिए हुआ जो एडोनाई ने भविष्यवक्ता के माध्यम से कहा था (यशायाह Cb पर मेरी टिप्पणी देखें – यहोवा स्वयं आपको एक संकेत देगा): कुंवारी गर्भवती होगी और एक पुत्र को जन्म देगी (मत्ती १:२२ - २३ए)। तथ्य यह है कि निश्चित लेख, का उपयोग कुंवारी से पहले किया जाता है, यह दर्शाता है कि यशायाह के दिमाग में एक विशिष्ट कुंवारी थी – जो मैरी बन गई। यह सिर्फ कोई कुंवारी नहीं थी
– यह विशेष थी!

यशायाह द्वारा प्रयुक्त कुंवारी के लिए हिब्रू शब्द अलमा है। यह हिब्रू बाइबिल में केवल सात बार प्रयोग किया जाता है (उत्पत्ति २४:४३, २४:१६; निर्गमन २:८; भजन संहिता ६८:२५; नीतिवचन ३०:१९; गीत १:३, ६:८), और में प्रत्येक उदाहरण का या तो स्पष्ट रूप से एक कुंवारी का अर्थ है, या इसका अर्थ है, क्योंकि बाइबिल में अल्माह हमेशा अच्छी प्रतिष्ठा की अविवाहित महिला या कुंवारी को संदर्भित करता है। इसके अलावा, मैथ्यू यहाँ सेप्टुआजेंट से उद्धृत कर रहा है, तानाख का ग्रीक में पहला अनुवाद। यीशु के जन्म से दो शताब्दी से भी अधिक समय पहले, सेप्टुआजेंट के यहूदी विद्वानों ने अल्माह का अनुवाद करने के लिए ग्रीक शब्द पार्थेनोस को चुना था। स्पष्ट रूप से, पार्थेनोस का अर्थ कुंवारी है। उदाहरण के लिए, एथेना एथेंस की कुंवारी देवी थी और उसके मंदिर को पार्थेनन कहा जाता था क्योंकि पार्थेनोस का अर्थ कुंवारी होता है।

और वे उसे इम्मानुएल कहेंगे, जिसका अर्थ है “परमेश्वर हमारे साथ” (मत्ती १:२३ब)। मैथ्यू इसे यशायाह से उद्धृत करता है (ऊपर देखें)। परन्तु यीशु को उसके प्रथम आगमन के समय उस नाम से नहीं जाना जाता था; बल्कि, उसके नाम ने उसका वर्णन करते हुए संकेत दिया कि वह कौन था। वह हमारे साथ भगवान हैं। जो उसके हैं वे अनन्त राज्य में अंतिम पूर्ति का अनुभव करेंगे (प्रकाशितवाक्य Fr पर मेरी टिप्पणी देखें – एक नया स्वर्ग और एक नई पृथ्वी), जब परमेश्वर अपने लोगों के साथ वास करेगा।

क्या कोई व्यक्ति आस्तिक हो सकता है और कुंवारी जन्म से इनकार कर सकता है? आप यीशु मसीह को उसके बारे में अधिक जाने बिना स्वीकार कर सकते हैं। लेकिन जब आप बचाए जाते हैं और अपनी बाइबल पढ़ते हैं तो आप प्रभु के कुंवारी जन्म से इनकार नहीं कर सकते। क्या यह थोड़ा धक्का-मुक्की है? खैर, मुझे उम्मीद है क्योंकि यह इतना महत्वपूर्ण है। मुझे एक ऐसा उद्धारकर्ता चाहिए जो नीचे पहुंच सके और मुझे बचा सके । अगर वह मेरे जैसा ही एक और इंसान है, तो वह मेरी बहुत मदद नहीं कर पाएगा। लेकिन अगर वह इम्मानुएल है, भगवान हमारे साथ है, कुंवारी पैदा हुआ है, तो वह मेरा उद्धारकर्ता है। क्या वह आज आपका उद्धारकर्ता है? उसने हमारी मानवता को इस तरह से अपने ऊपर ले लिया ताकि वह आपके और मेरे लिए क्रूस पर मर सके

इसमें कोई शक नहीं कि यूसुफ को ऐसा लगा जैसे उसके कंधों से एक हजार पाउंड उठा लिए गए हों। वह तरोताजा हो गया। आनंदपूर्ण। खुश भी। जितना अधिक उसने अपने सपने के बारे में सोचा, उतना ही स्पष्ट रूप से उसने देखा कि परमेश्वर का हाथ उसे एक महान सत्य प्रकट कर रहा है। उसके लिए बढ़ई की दुकान में काम करना जारी रखना शायद मुश्किल था। सबसे अधिक संभावना है कि उसने

Ap – यूसुफ ने यीशु को अपने पुत्र के रूप में स्वीकार किया मत्ती १:
१८-२५ | 6

मैरी के घर नहीं जाने के लिए सब कुछ लिया, चिल्लाते हुए: मुझे पता है! मुझे पता है! लेकिन उन्होंने सही समय पर बात की। यूसुफ विश्वासयोग्य था और उसने वही किया जो यहोवा के दूत, या मलाक अदोनै ने उसे करने की आज्ञा दी थी। अगले हफ्ते उनकी शादी हुई और वह मिर्यम को अपनी पत्नी के रूप में घर ले गया (मत्तीयाहू १:२४)। वह जानता था कि समुदाय में गलतफहमी होगी और बहुत गपशप भी होगी, लेकिन योसेफ ने परमेश्वर की योजना को अपने से आगे रखा। अपने लिए नाम कमाने के बजाय, उसने मसीहा के लिए एक घर बनाया।

जब परमेश्वर ने यूसुफ को सच्चाई का खुलासा किया, तो उसने तुरंत विश्वास किया और ADONAI की आज्ञा का पालन किया, जैसा कि यह अविश्वसनीय लग रहा था। उनकी प्रतिक्रिया ने भगवान में उनके गहरे विश्वास को प्रकट किया। योसेफ सपने से काफी आश्वस्त था कि यह विश्वास करने के लिए कि प्राकृतिक शर्तों पर क्या असंभव था। यह हमारे लिए एक उदाहरण होना चाहिए कि हम प्रभु पर भरोसा करें और उनका पालन करें, उन लोगों की तुलना में अलग तरह से प्रतिक्रिया दें जो उसके वचन को नहीं जानते हैं। हाशेम के प्रति जोसफ की आज्ञाकारिता के कारण उसकी अपनी प्रतिष्ठा की कीमत चुकानी पड़ सकती थी। ९९ फिर भी, योसेफ उसके साथ वहीं था, चाहे उसका रास्ता कितना भी खतरनाक या कठिन क्यों न हो। वह उसके जीवन पर परमेश्वर के आह्वान के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध था जैसे वह थी। निजी तौर पर उसे दूर रखने के बजाय, वह उसे सार्वजनिक रूप से अपने घर ले गया और उसे अपनी पत्नी के रूप में गले लगा लिया। मैरी असहनीय रूप से अकेली हो सकती थी, अपने बेटे को पालने के लिए असंभव बाधाओं का सामना करना पड़ रहा था। लेकिन यूसुफ ने ऐसा कभी नहीं होने दिया।

हम यूसुफ के जीवन के बारे में और कुछ नहीं जानते, सिवाय उसके शिशु यीशु को समर्पण के लिए मंदिर में ले जाने के (लूका २:२२-३३), उसके मरियम और बच्चे येशुआ को हेरोदेस के खूनी फरमान से बचाने के लिए मिस्र ले जाना और मिस्र से वापसी (मत्तीयाहू २:१३-२३), और अपने परिवार को यरूशलेम में फसह में ले जाना जब युवा यीशु बारह वर्ष का था (लूका २:४२-५२)। हमें पता नहीं है कि योसेफ की मृत्यु कब हुई थी, लेकिन येशु द्वारा अपना सार्वजनिक मंत्रालय शुरू करने से पहले यह अच्छी तरह से हो सकता था। स्पष्ट रूप से यह मसीहा के सूली पर चढ़ने से पहले था क्योंकि क्रूस से यीशु ने अपनी मां को प्रेरित यूहन्ना की देखभाल के लिए दे दिया था (योचनन १९:२६)।१०१ वह बाइबल का विस्मृत व्यक्ति है।

लेकिन जब तक उसने अपने जेठा पुत्र को जन्म नहीं दिया, तब तक उसका उसके साथ कोई संबंध नहीं था (मत्ती १:२५क)। जब तकमरियम ने जन्म नहीं दिया तब तक यूसुफ ने उसके साथ कोई यौन संबंध नहीं बनाए। लेकिन इसके अलावा, शब्द जब तकहमें बताता है कि वह यीशु के जन्म के बाद कुंवारी नहीं रही। इससे आगे कुछ भी मसीह के देवता और मरियम की पवित्रता की रक्षा के लिए आवश्यक नहीं था। मैरी के शाश्वत कौमार्य में कैथोलिक चर्च का विश्वास बाइबिल नहीं है। न केवल वह कुंवारी नहीं रही, बल्कि हम जानते हैं कि उसने कम से कम छह अन्य बच्चों, चार बेटों और कम से कम दो बेटियों को जन्म दिया।

रोमन कैथोलिक चर्च के पुजारी “वर्जिन मैरी” का बार-बार जिक्र करते हैं। वे स्वीकार करते हैं कि योसेफ और मरियम पति-पत्नी थे और उन्हें आदर्श मानव परिवार के रूप में चित्रित करने

Ap – यूसुफ ने यीशु को अपने पुत्र के रूप में स्वीकार किया मत्ती १:
१८-२५ | 7

का प्रयास करते हैं, लेकिन इनकार करते हैं कि वे एक सामान्य विवाह संबंध में रहते थे। लेकिन ऐसा अप्राकृतिक संबंध इसके चेहरे पर बेतुका है, और पवित्रशास्त्र में कहीं भी इस तरह के असामान्य संबंध के लिए स्वीकृति नहीं दी गई है। वास्तव में, इसका बिलकुल उल्टा ही सच है। विवाहित जीवन के संबंध में कुरिन्थ में चर्च को रब्बी शाऊल के पत्र में, वह कहता है: पति को अपनी पत्नी के लिए अपना वैवाहिक कर्तव्य पूरा करना चाहिए, और इसी तरह पत्नी को अपने पति के लिए। . . एक दूसरे को केवल आपसी सहमति से और एक समय के लिए (जीवन भर के लिए नहीं) वंचित न करें, ताकि आप अपने आप को प्रार्थना के लिए समर्पित कर सकें। फिर एक साथ आओ ताकि शैतान तुम्हारे आत्म-संयम की कमी के कारण तुम्हारी परीक्षा न करे (प्रथम कुरिन्थियों ७:३ और ५)। ऐसी व्यवस्था प्रकृति के विपरीत होती और दोनों पक्षों के लिए बस एक निराशा होती। याजकों को मरियम के सदा के कौमार्य के विचार को त्याग देना चाहिए, या इस विचार को त्याग देना चाहिए कि यूसुफ और मरियम आदर्श मानव परिवार का प्रतिनिधित्व करते हैं।

और उसने उसका नाम यीशु रखा (मत्ती १:२५ख)। नाम मरियम को बताया गया था, अब यह यूसुफ पर भी प्रकट हुआ था। नाम इसलिए दिया जाना था क्योंकि वह अपने लोगों को उनके पापों से बचाएगा (मत्तियाहू १:२१)।

केवल एक ही बात थी जो परेशान कर रही थी। शास्त्रों को वैसा ही जानते हुए, जैसा उन्होंने किया, उन्होंने महसूस किया कि राजाओं के राजा का जन्म डेविड के शहर बेत-लेकेम में होगा। हालाँकि, उनका पुत्र नासरत में पैदा होगा, जो बेतलेहेम के उत्तर में नब्बे मील की दूरी पर एक छोटी सी जगह है, यदि वे शोमरोन से होकर जाते हैं। मैरी का कहीं भी यात्रा करने का कोई इरादा नहीं था। गर्मियों के महीनों में, और शुरुआती गिरावट में, शहर की वृद्ध महिलाओं ने देखा होगा कि वह गर्भवती थी, और उन्होंने शायद उसे घर के करीब रहने की सलाह दी। वह एलिजाबेथ के बच्चे को देखने नहीं जाएगी, तो वह बेथलहम की यात्रा करने पर विचार क्यों करेगी? जोसेफ ने सिर हिलाया। उसे भी ऐसा ही लगा। बीट-लेकेम बहुत दूर था, और मानवीय रूप से कहें तो उसका अपनी गर्भवती पत्नी को गधे पर ले जाने का कोई इरादा नहीं था।

जोसेफ ने अपने सम्मान से अधिक एडोनाई की आज्ञाकारिता को महत्व दिया। जैसे ही परमेश्वर ने सत्य को उसके सामने प्रकट किया, उसने तुरंत विश्वास किया और उसकी इच्छा का पालन किया, सत्य जितना अविश्वसनीय हो सकता है। इससे योसेफ के भरोसे की गहराई का पता चला, खासकर जब से रहस्योद्घाटन एक सपने तक सीमित था। बदले में, यह हमें यहोवा की आज्ञा मानने के लिए बुलाना चाहिए, जो उसके वचन पर भरोसा नहीं करने वालों की तुलना में अलग तरह से प्रतिक्रिया करते हैं। क्योंकि उसने अकेले ही यह रहस्योद्घाटन प्राप्त किया था, उस समय के अन्य लोग अभी भी सोचते होंगे कि उसने शादी से पहले मरियम को गर्भवती कर दिया था। सम्मान के मूल्यों के वर्चस्व वाले समाज में वह शर्म की वस्तु बने रहेंगे। यूसुफ की YHVH के प्रति आज्ञाकारिता ने उसे अपनी प्रतिष्ठा को महत्व देने का अधिकार खो दिया। आप परमेश्वर को कितना भरोसा करते हैं?